ASTRO ARPITA NATH

देव ग्रह (सात्त्विक दल) - दानव ग्रह (आसुरिक दल)

Arpita Nath द्वारा · प्रारंभिक ज्योतिष नोट्स · 2026-07-27

वैदिक ज्योतिष (Jyotish) में, नौ ग्रहों (नवग्रहों) को उनके स्वभाव, दर्शन और आध्यात्मिक झुकाव के आधार पर मूल रूप से दो बड़े खगोलीय समूहों में विभाजित किया गया है: **देव ग्रह (दैवीय/सात्विक समूह) और दानव ग्रह (भौतिक/असुर समूह)**।

ग्रहों के इन दो समूहों को समझ लेने से जन्म कुंडली के प्रभाव, ग्रहों की मित्रता और उनकी युति को समझना बेहद आसान हो जाता है।

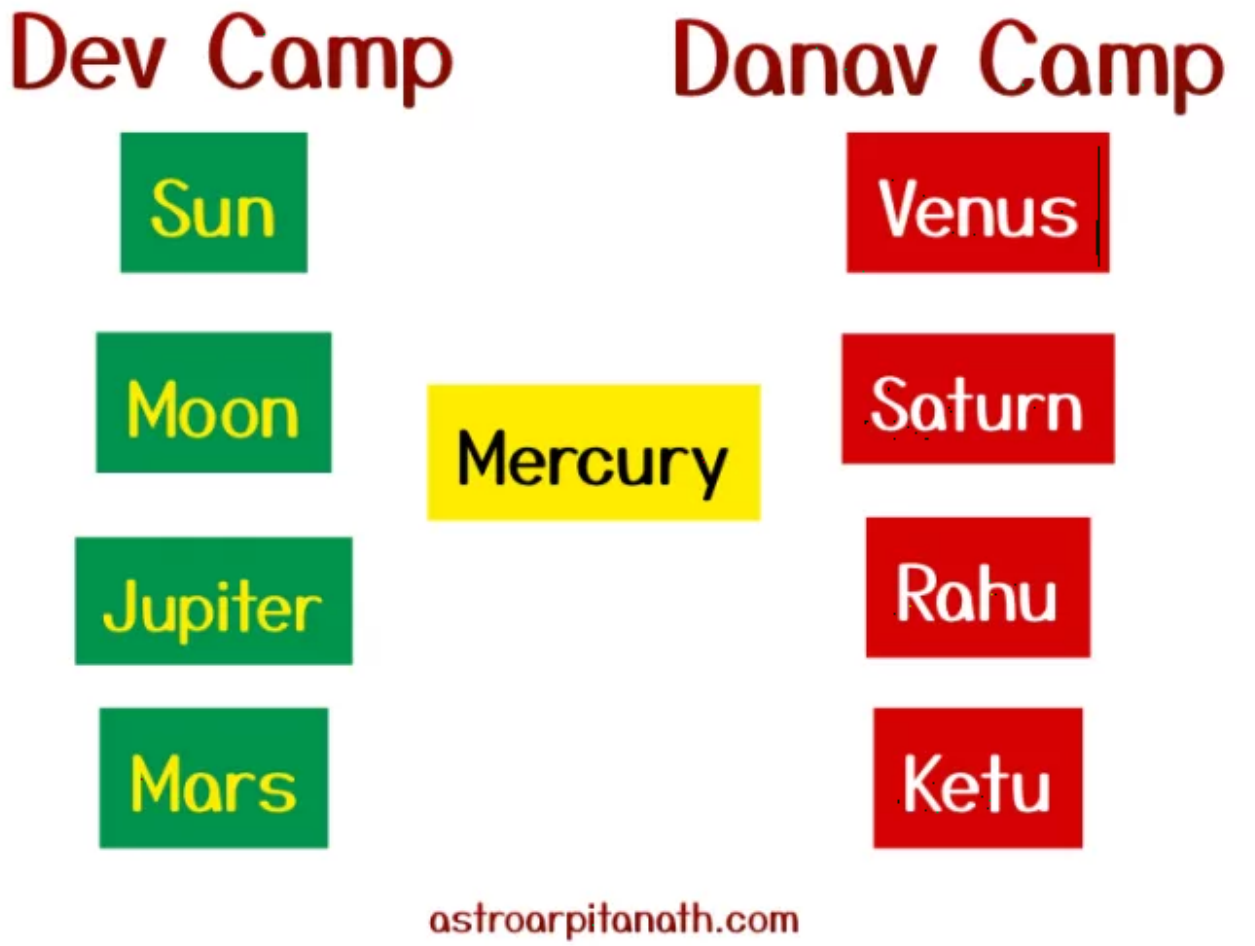

1. देव ग्रह (दैवीय / सात्विक समूह)

सूर्य के नेतृत्व और बृहस्पति (गुरु) के मार्गदर्शन वाला देव ग्रहों का समूह चेतना, धर्म, आत्मिक उन्नति, आत्मसम्मान और आध्यात्मिक कर्तव्यों का प्रतिनिधित्व करता है। ये मुख्य रूप से उच्च आदर्शों, व्यवस्था और श्रेष्ठ सिद्धांतों पर कार्य करते हैं।

देव ग्रहों की सूची:

• **सूर्य:** राजा। यह आत्मा, अहंकार, दैवीय सत्ता, सत्य और पिता का कारक है।

• **चंद्र:** रानी। यह मन, भावनात्मक पवित्रता, अंतर्ज्ञान और मातृस्नेह का कारक है।

• **गुरु / बृहस्पति:** प्रधान पुरोहित एवं मार्गदर्शक। यह ज्ञान, धर्म, नैतिकता, उच्च शिक्षा और ईश्वरीय कृपा का कारक है।

• **मंगल:** सेनापति। यह साहस, धर्म की रक्षा, ऊर्जा, पराक्रम और बलिदान का कारक है।

2. दानव ग्रह (भौतिक / असुर समूह)

शुक्र के नेतृत्व और शनि के क्रियान्वयन वाला दानव ग्रहों का समूह सांसारिक निपुणता, भौतिक समृद्धि, कूटनीति, व्यावहारिक तर्क और सांसारिक इच्छाओं का प्रतिनिधित्व करता है। इनका मुख्य ध्यान भौतिक वास्तविकताओं को संभालने, जीवन के सुख-सुविधाओं का आनंद लेने और कठोर कार्मिक संरचनाओं के माध्यम से सीखने पर होता है।

दानव ग्रहों की सूची:

• **शुक्र:** असुरों के गुरु एवं कूटनीतिज्ञ। यह प्रेम, भौतिक सुख-सुविधाओं, कला, कूटनीति, धन और सांसारिक आनंद का कारक है।

• **शनि:** न्यायाधीश एवं कर्मफलदाता। यह न्याय, शारीरिक अनुशासन, कठोर परिश्रम, दृढ़ता, काल (समय) और कर्म का कारक है।

• **राहु:** छाया रूपी अन्वेषक। यह सांसारिक महत्वाकांक्षा, भौतिक आकर्षण, रूढ़ियों को तोड़ने और अचानक होने वाले विस्तार का कारक है।

• **केतु:** छाया रूपी रहस्यवादी। यद्यपि यह अत्यंत आध्यात्मिक है, फिर भी राहु के साथ अपनी उत्पत्ति (असुर स्वरभानु) के कारण यह इसी खगोलीय परिवार से संबंधित है। यह वैराग्य, मोक्ष और भ्रम को काटने का कारक है।

बुध की क्या स्थिति है?

बुध एक तटस्थ राजकुमार के रूप में एक अनूठा स्थान रखता है।

• स्वाभाविक रूप से बुद्धि, व्यापार और संचार से जुड़ा होने के कारण, बुध दानव समूह (शुक्र और शनि) के साथ घनिष्ठ मित्रता रखता है।

• हालांकि, चंद्रमा का पुत्र होने के कारण, यह पूरी तरह मध्य में स्थित रहता है और कुंडली में जिस ग्रह के साथ बैठता है या जिसका प्रभाव ग्रहण करता है, उसी के अनुसार अपना व्यवहार ढाल लेता है।

जन्म कुंडली विश्लेषण में यह कैसे काम करता है

• **समान समूह का समन्वय:** जब एक ही समूह के ग्रह आपस में युति करते हैं (जैसे, सूर्य + मंगल, या शुक्र + शनि), तो वे आसानी से एक-दूसरे का सहयोग करते हैं और एक-दूसरे के लक्ष्यों को बल देते हैं।

• **विपरीत समूहों का टकराव:** जब विपरीत समूहों के ग्रह एक साथ आते हैं (जैसे, सूर्य + शनि या मंगल + शुक्र), तो वे आंतरिक

अंतर्द्वंद्व पैदा करते हैं, जिससे आध्यात्मिक सिद्धांतों और भौतिक आवश्यकताओं के बीच संतुलन बनाने के लिए सचेत प्रयास की आवश्यकता होती है।

---

https://astroarpitanath.com/hindi/dev-grahas-danav-grahas/

ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।